भारत सरकार
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3733
बुधवार, दिनांक 18 दिसम्बर, 2024 को उत्तर दिए जाने हेतु

ओडिशा में पवन ऊर्जा

3733. श्रीमती अनीता शुभदर्शिनीः क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का लक्ष्य ओडिशा सहित देश में 2023 से 2030 तक प्रति वर्ष आठ गीगावाट (जीडब्ल्यू) पवन ऊर्जा का उत्पादन करने का है:

(ख) यदि हां, तो पिछले दो वर्षों के दौरान उत्पन्न ऊर्जा की वास्तविक क्षमता का ब्यौरा क्या है;

(ग) ओडिशा राज्य में पवन ऊर्जा उत्पादन के लिए चिह्नित किए गए जिलों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) ओडिशा राज्य में इसके लिए कितनी राशि का निवेश किया गया है?

उत्तर
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री
(श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) माननीय प्रधानमंत्री द्वारा कॉप-26 में की गई घोषणा के अनुरूप, सरकार वर्ष 2030 तक देश में गैर-जीवाश्म स्रोतों से 500 गीगावाट स्थापित विद्युत क्षमता की प्राप्ति की दिशा में कार्य कर रही है।

(ख) पिछले दो वर्षों, अर्थात् वित्त वर्ष 2022-23 और वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, देश में स्थापित पवन विद्युत क्षमता क्रमशः 2275.55 मेगावाट और 3253.38 मेगावाट है।

(ग) राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान द्वारा किए गए पवन संसाधन मूल्यांकन द्वारा ओडिशा राज्य में जमीन से 150 मी. की ऊंचाई पर लगभग 12129 मेगावाट पवन विद्युत संभाव्यता का आकलन किया गया है। इसमें कोरापुट, नबरंगपुर, रायगढ़, पुरी, खोरधा, जगतसिंहपुर, गंजम, बालासोर और केन्द्रपाड़ा जिलों में पवन संभाव्यता वाले स्थलों को चिह्नित किया गया है।

(घ) वर्तमान में, पवन विद्युत परियोजना में लगभग 8 करोड़ रु. प्रति मेगावाट के निवेश की आवश्यकता है। वर्तमान में, ओडिशा राज्य में कोई ग्रिड कनेक्टेड पवन विद्युत परियोजना स्थापित नहीं है।

*****